हिन्दुस्तान

भंडाफोड़ : प्रिंटिंग प्रेस में रैपर छापकर नकली दवाओं की पैकिंग

हिन्दुस्तान टीम,मेरठ Newswrap • Sat, 26 Jun 2021 04:00 AM

कानपुर पुलिस के इनपुट पर मेरठ में पुलिस और ड्रग विभाग ने नकली दवाइयों की पैकिंग व सप्लाई का भंडाफोड़ किया है। प्रिंटिंग प्रेस मालिक गिरफ्तार है, जहां पर नामचीन दवा कंपनियों के रैपर छापकर नकली दवाई पैक होती थी।

कानपुर पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गुरुवार को लखनऊ निवासी मनीस मिश्रा को गिरफ्तार किया था। अलीगढ़ में सासनी क्षेत्र निवासी अशोक गुप्ता व कमलेंद्र पुंडीर डेका ड्यूराबोलिन कंपनी के खाली इंजेक्शनों पर जॉयडस कंपनी का नकली रैपर लगाकर उन्हें मनीष मिश्रा को बेचते थे। कानपुर पुलिस ने मनीष मिश्रा से लंबी पूछताछ की। यहां से पुलिस को अलीगढ़ का पता मिला। अलीगढ़ में छापेमारी कर अशोक गुप्ता को गिरफ्तार किया। उससे करीब 50 लाख रुपये की दवाएं मिली। अशोक गुप्ता से पूछताछ में पता चला कि नकली दवाओं की पैकिंग मेरठ में होती है।

कानपुर पुलिस के इनपुट पर मेरठ के ब्रहम्पुरी इंस्पेक्टर सुभाष अत्री व ड्रग इंस्पेक्टर पवन शाक्य ने साईंपुरम में एक प्रिंटिंग प्रेस पर छापा मारकर उसके मालिक मोनू लोधी को गिरफ्तार कर लिया। प्रेस से भारी मात्रा में दवा कंपनियों के नकली रैपर, 21 हजार दर्द निवारक गोलियां और 120 ताकत के इंजेक्शन मिले हैं। कानपुर पुलिस का दावा है कि नकली दवाओं के विरुद्ध मेरठ-अलीगढ़ समेत चार बड़ी कार्रवाई कर करीब तीन करोड़ का माल बरामद किया है।

लॉकडाउन में धंधा हुआ मंदा तो काला कारोबार शुरू

पूछताछ में प्रिंटिंग प्रेस मालिक मोनू ने बताया कि अलीगढ़ में दवाइयां बनती थी। दवा बनाने वाले लोग उससे पूर्व से रैपर छपवाते रहे हैं। लॉकडाउन में काम धंधा बंद होने पर उसने दवा रैपर छापकर पैकिंग का काम शुरू कर दिया। अलीगढ़ से कुछ लोग दवाइयां लेकर यहां आते थे। वह रैपर छापता था और उनकी पैकिंग करता था। एक डिब्बा पैक करने के बदले उसे 50 रुपये मिलते थे। पैकिंग के बाद सारी दवाइयां अलीगढ़ के लोग ले जाते थे।

अल्ट्रा कैट गत्ते के पांच किलो वजनी प्रिंटिड बॉक्स, अल्ट्रा टैक गोली के 1390 डिब्बे, डेका ड्यूराबोलिन के 120 इंजेक्शन, करीब 18 किलो फॉइल (स्ट्रिप की पैकिंग), करीब 40 किलो वजनी पैकिंग रोल, इंजेक्शन को पैक करने वाले दो ड्राईफेम व एक मशीन, डेका ड्यूराबोलिन की एक मुहर और एक गाड़ी बरामद की है।

मुंबई-पंजाब पुलिस मार चुकी हैं छापे

अभी पिछले दिनों ही मुंबई पुलिस ने खरखौदा इंडस्ट्रियल एरिया में एक कंपनी पर छापा मारकर कोरोना की नकली दवाएं बनाने का खुलासा किया था। दवाएं मेरठ में बनती थीं। उनकी पैकिंग में नोएडा में होती थी। हिमाचल प्रदेश में सोलन की एक कथित कंपनी का स्टीकर लगाकर ये दवाएं कई राज्यों में सप्लाई होती थीं। इससे पहले पंजाब पुलिस ने मेरठ से प्रतिबंधित दवाएं बरामद की थी।

Source; https://www.livehindustan.com/uttar-pradesh/meerut/story-busted-packing-of-counterfeit-medicines-by-printing-wrappers-in-printing-press-4160031.html